



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 455]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 18, 2009/श्रावण 27, 1931

No. 455]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 2009/SRAVANA 27, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 2009

सं. 20/2009-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 578(अ).—जबकि केन्द्र सरकार इस बात से संतुष्ट है कि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (एतदपश्चात् उक्त अधिनियम के रूप में उल्लिखित) के अंतर्गत नीचे की सारणी में दिए गए विवरण वाले माल पर उत्पाद-शुल्क लगाने (उन पर नहीं लगाने सहित) के संबंध में एक प्रक्रिया सामान्य रूप से प्रचलित है और ऐसे माल पर उत्पाद-शुल्क उद्ग्राह्य है जो उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान उक्त प्रक्रिया के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत नहीं लिया जा रहा था, अर्थात् :—

सारणी

विवरण	टैरिफ उप-शीर्ष	अवधि
(1)	(2)	(3)
शीर्ष सं. 1905 के बेकरी के सामान को तैयार करने के लिए लोई	1901 20 00	28 फरवरी, 2005 से 27 मई, 2008

2. इसलिए अब उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि उक्त प्रक्रिया को छोड़कर उक्त सारणी में यथा विनिर्दिष्ट ऐसे टैरिफ उप-शीर्ष के अंतर्गत आने वाले ऐसे माल पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत उद्ग्राह्य सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क का उक्त सारणी के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए भुगतान अपेक्षित नहीं होगा, बशर्ते कि इस शर्त को पूरा किया जाए कि जब तक इस अधिसूचना के दृष्टिकोण से लाभ का दावा करने वाली यूनिट ऐसे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त निविष्टियों के संबंध में लिए गए निविष्ट क्रेडिट, यदि कोई हो, को वापस न कर दे जिन पर उक्त प्रक्रिया के अनुसार उपर्युक्त अवधि के दौरान उत्पाद-शुल्क नहीं लिया गया था, तब तक इस अधिसूचना के अंतर्गत लाभ अनुमत्य नहीं होगा।

[फा. सं. 13/4/07-के.उ.शु. 1]

मदन मोहन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th August, 2009

No. 20/2009-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 578(E).—Whereas the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under Section 3 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act), on goods of the description given in Table below, and that such goods were liable to duty of excise which was not being levied under section 3 of the said Act according to the said practice, during the period as specified in the said Table, namely :—

TABLE

Description	Tariff sub-heading	Period
(1)	(2)	(3)
Dough for preparation of Baker's wares of Heading No. 1905	1901 20 00	28th February, 2005 to 27th May, 2008

2. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of duty of excise leviable under the said Act on such goods falling under such tariff sub-heading as specified in the said Table but for the said practice, shall not be required to be paid for the period specified in column (3) of the said Table, subject to fulfilment of condition that the benefit under this notification shall not be admissible unless the unit claiming benefit in terms of this notification reverse the input credit, if any, taken in respect of inputs used in manufacture of such goods on which the said duty of excise was not levied during the aforesaid period in accordance with the said practice.

[F. No. 13/04/07-CX 1]

MADAN MOHAN, Under Secy.